

85

RIEDEL HALL

५

रुद्रा नमो रुद्रा नमो सा क
विन्द्या सा गज त्त्यः सर्वसि
मया शुभ मे क सि सम
जाजाः रुद्र न विह न मि
मेद्य म पु ले क कां ग ल म

म न य न मः वा ५ वा डान मी
म्य क्क थ लः वा ५ व वा च व
य रु ग वा न नं वा य नं वा ना रा
म मी शु म वि न त र ग क म हा
रु ग र हि रु सं द्य न सा ड म रु ग

व वा धि स ल सं द्य नः सा ड म रु ग वा न ग वा ड र ह ल सा थं वा न द्य था वा न द्य न च
ना ग वा ड नः उ य न द्य न च ना ग वा ड न वा सा ग ल न च ना ग वा ड न वा भू न
य न थ न च ना ग वा ड न वा म न स्वि न च ना ग वा ड न वा म हा म न स्वि थ न ना ग वा
ड न वा म वि नि यु न च ना ग वा ड न वा सं द्य न च ना ग वा ड न वा च ल य ड न च ना
ग वा ड न वा म वि नि यु न च ना ग वा ड न वा क क्क न क न च ना ग वा ड न वा वि द्य त्स

मूवेन च नागना कन ॥ अवे लस सिखी न च नागना कन ॥ मेद्यग कि कि न च
नागना कन ॥ वरसं रुवेन च नागना कन ॥ वरवले न च नागना कन ॥ उल्काया
कन च नागना कन ॥ अकाल गर कि न च नागना कन ॥ गरु न स येन च नाग
ना कन ॥ विष्णु मा च न च नागना कन ॥ धन नि धले न च नागना कन ॥ अ
य च न च नागना कन ॥ शु द भं न च नागना कन ॥ वि द्या न च नाग

ना कन ॥ महा मेद्य गर कि न च नागना कन ॥ महा मू रू दू स हं न च नागना कन
आ नं कि न च नागना कन ॥ अन न च नागना कन ॥ यो न च नागना कन
। आ धन न च नागना कन ॥ दु दू हि स न च नागना कन ॥ इ न्द्र हिः नि ना
द वि ना की न स ले न च नागना कन ॥ क म्ब ले न च नागना कन ॥ आ क
र ले न च नागना कन ॥ आ क ह न च नागना कन ॥ आ र्थ न च नागना

अनामहायु न युन सधन चनागना अना॥ किलिकिलि सधन चना
गना अना॥ यस्सु दधन चनागना अना॥ वर्षभुम्बु वन चनागना अना॥ म
हायानि कविने न चनागना अना॥ कट्यम्बु चन चनागना अना
। किं कन चनागना अना॥ श्रीमन्ने न चनागना अना॥ रुद्र कन चनाग
ना अना॥ म क्लेन चनागना अना॥ मेघस्मिन् कन चनागना अना॥ मेघ

३

वदि न चनागना अना॥ मेघसं क्लेन चनागना अना॥ सं क्लेन
न चनागना अना॥ विकिर्दि न चनागना अना॥ वास्कि न चनाग
ना अना॥ अनं वर कन चनागना अना॥ सुयु हे न चनागना अना॥ श्रियं दर्शिनः
न चनागना अना॥ श्रीमादा नदि न चनागना अना॥ मेघम क्लेन चनागना अना
न चनागना अना॥ सुदर्शन चनागना अना॥ वाक् सुव न चनागना अना

ना॥ वा॥ न॥ क॥ ह॥ व॥ न॥ व॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ न॥ म॥ नि॥ च॥ ङ॥ न॥ व॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ न॥ ५॥ नि॥ ना॥ ग॥ :
कु॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ न॥ म॥ ह॥ उ॥ : स॥ र्व॥ न॥ व॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ ना॥ : म॥ ह॥ या॥ ना॥ ग॥ आ॥ हा॥ :
म॥ ह॥ ना॥ ना॥ ग॥ वि॥ कु॥ वि॥ न॥ न॥ श्रु॥ ना॥ आ॥ का॥ म॥ म॥ हा॥ गु॥ न॥ गु॥ न॥ न॥ : म॥ हा॥ वा॥ वा॥ न॥ व॥ ४
व॥ स॥ म॥ व॥ ना॥ ह॥ व॥ न॥ : स॥ श्रु॥ वा॥ क॥ न॥ मा॥ म॥ य॥ न॥ ध॥ म॥ भु॥ व॥ ना॥ य॥ वा॥ ग॥ रु॥ न॥ : न॥ न॥ व॥
ल॥ य॥ न॥ स॥ म॥ य॥ न॥ ह॥ ग॥ वा॥ न॥ : म॥ हा॥ ना॥ ग॥ ख॥ : सा॥ ध॥ का॥ ल॥ का॥ म॥ ल॥ हा॥ न॥ : सा॥ ध॥

म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : आ॥ ग॥ रु॥ थ॥ : ए॥ ना॥ ग॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : म॥ व॥ र॥ त॥ ह॥ र॥ म॥ हा॥ वि॥
श्रु॥ ना॥ ला॥ : य॥ म॥ स॥ मा॥ ना॥ म॥ हा॥ वा॥ न॥ व॥ र्व॥ थ॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : स॥ व॥ र्व॥ थ॥ स॥ श्रु॥
ध॥ म॥ स॥ श्रु॥ स॥ व॥ स॥ श्रु॥ आ॥ ग॥ रु॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : स॥ र्व॥ व॥ थ॥ क॥ म॥ वि॥ य॥ गु॥ इ॥ र॥ :
म॥ द॥ र॥ हि॥ हि॥ र॥ व॥ र॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ ह॥ द॥ र॥ स॥ र्व॥ ना॥ ग॥ ना॥ आ॥ रु॥ रु॥ ह॥ आ॥ रु॥ व॥
सि॥ : सा॥ धु॥ व॥ न॥ हा॥ हा॥ : म॥ हा॥ म॥ य॥ वि॥ कु॥ वि॥ न॥ का॥ स॥ न॥ का॥ ल॥ व॥ हा॥ : स॥ र्व॥ न॥

तसि वन ह मय द ल विन दाम म कि का हा ल य वि गान म हा स म
उ म धेः ॥ ॥ दि व न त वि ना भा भा वि न क म म य ल व सा नः
म हा स म उ म धेः स च न ल ग न न म ची ल य त्व सु म य य न म्य सा न
दि व इ य य व ल म कि का हा न स म उ म धेः स च न ल ग न न म ची ल य
हं य त्व सा ना ना ग मी न व द्ध वि क वि ना धि ल्हा न भु न नि धा य स म

उ म धेः स च न ल ग न न म धि ल्हा य म हा म धेः वि क वि न स न म
भ न नि धा य स म उ म धेः ना ना न ल दि र्वा वि गान द्य ल्हा स न स म उ म
धेः स स र्व यं कि ग न म न म हा स म उ म धेः स च न ल ग न न म धि ल्हा
उ म धेः म हा स म उ म धेः म हा नि धा य दि व न त य म्य सा न नि वि र्वा
म कि दान य न म्य सा न स म उ म धेः स च न ल ग न न म धि ल्हा य म हा स म

सर्वनागनासवा दयामिववर्धं कं च द्वियस्वाहा॥ घृ १२ रु १ रु १ हा
हा २ रु २ संद्याकयथमहा नागम ए धिविमकु सयुववर्धं घृ १२ किनि २
विनि २ मिनि २ दिनि २ किनि २ सर्वकृता निय निय नरा नितेव सः
स्वानि ए क रुत गुभा सत्रियुला ह य रु म वि वि रु ना रा रु थ व
घस श्वन धमा स श्वन सद्य स ह्य न व रु या नि स ह्य न स व ना रा ना स

ह्यन रुन २ महानागम नां स्वाहा॥ ॥ वा द समहा नागना जान सं
वा दयामिव व स ह्य न रु रु म् द्विय यु व व थ स्वाहा॥ ॥ श्री गुरु
नागना जान स वा दया मि धर्म स ह्य न रु रु म् द्विय यु व व थ स्वाहा॥
अन नागना जान सं वा दयामि सं द्य स ह्य न रु रु म् द्विय यु व व थ स्वा
हा॥ वा न स कि नागना अ सं वा दयामि व रु या नि स ह्य न रु रु म् द्वि

कर्म द्विष

८

पुत्रवर्षश्च ॥ कुरु कनागनाकानसंवा दया मित्रकसखन ह्युवर्ष.
अस्वाहा ॥ श्रीक ७ नागनाकानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्ष
स्वाहा ॥ नालिननागनाकानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्ष
वर्षश्च ॥ मिनस्विनागनाकानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्ष
मन्त्र द्विष पुत्रवर्षश्च ॥ महात्मनस्विनागनाकानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्ष

नागनासखन ह्युवर्षश्च ॥ अस्वाहा ॥ यस्तु कननागनाकान
संवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्षश्च ॥ अस्वाहा ॥ अनन्येनाग
नाकानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्षश्च ॥ अस्वाहा ॥
। सर्वनागनाकानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्षश्च ॥ अस्वाहा ॥
लो लोमहा नागनासर्वनागनाकानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्षश्च ॥ अस्वाहा ॥

हृन् २ ५ २ हा हा हा हा हि हि हि ५ हृ हि थ थ थ च च च च च न न न न न
जानि जा य दै जे थ सर्व स सा नि य व र्थ थ म हा वा ना न य म च थ ऊ ऊ ऊ द द द
य य द ट टा ट नि वी नि नि सं रु नि नि ह नि जां गु स य क मि व क नि मा क गी
जय वि रु य स्वा हा सर्व म हा म द श र्ज म हा म द न थ ग ना नां सं वा द य मि
म हा म द श्री नं जा य न थ ग ना य म हा म द हृ ट का य न थ ग ना यः

म हा म द स हा य न थ ग ना यः म हा म द ग र्ज य न थ ग ना य म हा म द सं रु
ना ना य न थ ग ना यः म हा म द ग र्ज वा य न थ ग ना यः म हा म द हृ न ना य न थ
ग ना यः म हा म द वि ग र्ज न स्व न ना जा य न थ ग ना यः म हा म द सं व र्ज क
य न थ ग ना यः म हा म द गु फा य न थ ग ना यः म हा म द इ न्द्र हि स्व ना य
न थ ग ना यः म हा म द ना ना य ट थ ग ना यः म हा म द श्री नं जा य न थ ग ना यः

यमसुमयशुधायनभगगायमहामयनरुगायनभगगायःमहाः
मयवाकमउलिनाकायनभगगायःमहाधर्मजयगिष्टिनाअय
नभगगायमहामयस्यासुगमयनंदिनभगगायःमहामयगुन १०
गुनसुधायनभगगायःमहामयहिसयनायनभगगायमहामय
विकुर्वननाकायनभगगायःमहामयमंगस्यायनभगगायसुधैवः

इनामविद्यननसर्वधाधिसर्वनामधिसर्वनामविद्यननसर्वनाम
नासत्यनसर्वभगदद्यांसदादयामिभोधुंमागुरुयज्जनगयायवम
ननवैशुहयःहोलागागहनुअवरसनरकुटरमाविसन्धयवध
सर्वनागुरुयःभर्मासत्यनागुरुयःसद्यसत्यनागुरुयःसर्वनागम
हानागउयययनिसत्यनवधयःनवद्वियस्याहाहाहानुनोहाहा

गायत्री साहसनागा वि कर्वन्मः संद्य न न मसावय धायुम् ३ कु न मनियाः
 स्वाहा नारधिर्मना दापुम् ३ नाय रावय ना गु न र ना रा र वेद र ना गिनि
 साहासि हि ना रा ना गिनि ना रा वि स्क रु नि मा स नि मा न का न ति ना प्र न व
 ना ल क यि ल क र्वा वि क र ड डि रु या न क जू क इ र मा वि म्ब थ वि क
 क नि धा न नू यि नि का ल अ का ल ग र्जि नि स र्व म दौ वि क र्व वि स क्क र्द

२१

नि स र्व अ उ मा य न ति व क्क र्क व हि हि नि र व मि र स्म न र का लि र म हा
 का लि द्द द यं वि स अ उ म ठ स व ना रा क र्व निः य न य र र्द न त्व उ य वि क
 वि नः व र्जी नी स व ना रा रां का द नि स्वा हा ॥ ॥ उ न मा न त्व उ या य न म
 : व उ व उ या न य म हा क्क र्क स ना य न य व न्ध र म नू य का नू यि पी य स्वा हा
 वि व ल क नि क स क रु क न गु र्ति व न्ध का र्यः य व म व न्ध का म्म रा न

के कृत्तनक्राविश्वननः अयं वा क म क लियनिवर्तः सर्वनागद्वद
यनामः यं वातयि क यंः अथ व किं न कि स फा ह ग म य न प र्व स्थाः
दि सि डि जी वा ना म ना ग ना काः य नि ता ना अ नि दि वि क यंः द कि न स्था
दि सि य थु सि इ वः यु स्था न न ना ग ना का न स फ सि वा ना म य लि वा स अ
वि सि क यंः य कि म स्था दि सि अ व ल स न सि इ वा ना म ना ग ना का स फ

१२

७

सि वा ना म य लि वा ल न लि वि क यं ॥ उ र्क स न म य सं तो द ना ना म ना ग वा
जानः व शि र्वा श्री ज य वि क यंः स य वि वा ल नि च वि वा न न व न रु नि च
ध्रु व स र्वा च नी ला व नि क रु यंः ना ग ना ना म य व लि मि म य व ल न व
स फ रु मिः ना ग ल द य नः मे द ना का न य वि व ज य यि न वः व र्षा ध्रु व
म य रा नुः अ थो वा व स द न मा ना अ न वि दू व का स मा ला ल इ व स

लिका लोचिका नाग कल्ल मासक थाम वरु कानि च दिव्य नि उदाय
उवल्लिक रुलग वनं मद्य सस्या वला ह को यन थ गना या इह नै सं
मय वक्षाय नमो रुलग वनं मद्य मन्त्रि न थ गना या इह नै सं मय व
वक्षाय नमो रुलग वनं मद्य विक्री नयन थ गना या इह नै सं मय व
वक्षाय नमो रुलग वनं मद्य स्वनाय न थ गना या इह नै सं मय वक्षाय

13

[illegible]

सर्वकर्मयुक्तनायकभागनायाहं नमस्तस्मै सर्वभूतानां नमो भगवते
कर्मयुक्तनायकभागनायाहं नमस्तस्मै सर्वभूतानां नमो भगवते
यन्मास्वस्तीह वक्तुं सर्वसत्त्वानां मे हि ह्यनु सर्वसं ह्यनु सर्व १४
शिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरःशिरः
द्वेष्ट सर्वकथागठविधिः सर्वद्वेषावसा। केन विधिः कथायाः स्मृते

स्वात्ता॥ यः कश्चित् सितस्वकः रिक्ता रिक्ता निवाउयासका काउया सि
का वाञ्छु विवक्तुयावक्तुः मे उचितः ५॥ मावि कथागठानां नानिनिः
दिवत्ताञ्छु विनाः आसने स्थापयिः स्वकभयकठरु कामक्रीयकाका
तपश्च सर्ववानागठानां नानिनि यतिवर्तयन्तः मे ह्यनु सर्वकथा
अनाय विस्मयकहयवक्ति ननु वक्तुयि न वदेवा हविषमि॥

महाभारतस्य सायामसुखं द्वाकूमभुलियलिवर्द्धः यत्तु यद्विदुः
वर्षायननाम धननिमगाय नो ॥ वासुदेमंगवर्द्धन ॥
अथाहं बहून्महीसागवर्द्धमाहययुधमसुखं न स्यात्तिष्ठेत्

अथवासायुध

85